

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 3, 1 राजा 1:28-52

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

मैं आपको आज रात की शीट पर दी गई पृष्ठभूमि के बारे में बताता हूँ। पुराने नियम में, आपको नियमित रूप से परमेश्वर के नाम की शपथ लेने का विचार मिलता है। और आम तौर पर, वास्तविक हिब्रू पाठ में, आपको पूरी शपथ नहीं मिलती है।

लेकिन यह कुछ इस तरह था, अगर मैं ऐसा नहीं करता तो यहोवा मुझे मार डाले। इसका मतलब है भगवान के नाम पर शपथ लेना, भगवान के नाम पर शपथ लेना या भगवान के नाम पर व्रत लेना। एन-रोगेल, जहाँ अदोनिय्याह अपना खुद का पद स्थापित कर रहा था, किद्रोन घाटी के नीचे यरूशलेम से लगभग आधा मील दक्षिण-पूर्व में है।

और बस इसका अंदाजा लगाने के लिए, मैं यहाँ खुद को बहुत ज़्यादा उलझाने की कोशिश नहीं करूँगा; दाऊद का शहर वहाँ है, और किद्रोन घाटी यहाँ है। आखिरकार, मंदिर वहाँ बनाया जाने वाला था। इसे टायरोपियन घाटी कहा जाता था, और फिर यह हिन्नोम घाटी थी, जो नरक है।

यहीं पर डंप था। एन-रोगेल यहीं नीचे था, जैसा कि मैंने कहा, डेविड शहर से लगभग आधा मील दक्षिण में। गीहोन स्प्रिंग यहीं स्थित था, और हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे।

अंततः, हिजकिय्याह ने शहर के नीचे एक सुरंग खोदी - यह आश्चर्यजनक है कि उन्होंने यह कैसे किया होगा - और यहाँ एक तालाब बनाया, जो अंततः सिलोआम का तालाब बन गया।

लेकिन विचार यह था कि पानी को शहर की दीवारों के अंदर ले जाया जाए। जैसा कि यह था, वहाँ दीवारों में एक तरह की हलचल थी ताकि इसे अंदर लाने की कोशिश की जा सके, लेकिन जब आपके पास वहाँ घेराबंदी करने वाली सेना हो तो यह अभी भी जोखिम भरा था। तो, यह गीहोन स्प्रिंग है।

उस झरने से सचमुच दसियों हज़ार गैलन प्रति घंटा पानी निकलता है। वे शायद सोचते हैं कि एन-रोगेल उसी पानी के नीचे के जलभृत का हिस्सा है, लेकिन यह उसी मात्रा में कुछ भी पैदा नहीं करता है। इसलिए, हम दो झरनों के बारे में यही बात कर रहे हैं।

अब, ऐसा प्रतीत होता है कि इस्राएल में प्रतिस्पर्धा करने वाले पुरोहित परिवार थे। उनमें से एक हारून के बेटों में से एक से था, और दूसरा हारून के बेटे से। मूल रूप से उसके चार बेटे थे।

आपको याद होगा कि पहले दो लोग इसलिए मर गए क्योंकि उन्होंने अजीब आग चढ़ाई थी। और इसलिए, एलीआजर और ईतामार बचे। यहोशू में, एलीआजर महायाजक है, और उसके बाद उसका बेटा, पीनहास महायाजक बना।

यह उनके बारे में आखिरी बार सुनने को मिला। जब हम शमूएल के पास पहुँचते हैं, तो तम्बू शिलोह में है, जो यरूशलेम और शेकेम के बीच में है, और पुजारी एली है, जो इतामार का बेटा है। इसलिए, हम ठीक से नहीं जानते कि क्या हो रहा था।

क्या दो प्रतिस्पर्धी पुजारी परिवार थे? लेकिन, एली के बेटों के मारे जाने के बाद, जब पलिशियों ने सन्दूक ले लिया, तो उसका एक पोता बच गया, और वह दाऊद का पुजारी बना रहा, और उसका बेटा अबियाथर था। तो, यहीं पर हमारे पास दो पुजारी हैं, सादोक, जो एलीआजर का वंशज है, और अबियाथर, जो इतामार का वंशज है। और यह, फिर से, इस पूरे संघर्ष में जो चल रहा है उसका एक हिस्सा है।

तो, करेती और पलेती, दीमकों के साथ और भी बहुत से लोग, दाऊद के निजी अंगरक्षक थे। और, बहुत संभव है, पलेती, पलिशती, बहुत संभव है, ये वे लोग हैं जो उसके पास तब आए जब वह पलिशती भाड़े का सैनिक था। तो, यह सोचना बहुत दिलचस्प है।

लेकिन ये वे लोग हैं जो दाऊद के प्रति व्यक्तिगत वफ़ादारी रखते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए— आखिरकार, वेदी पर सींग। हमने बेशेबा में एक वेदी खोजी है जो हमें बताती है कि ये चीज़ें कैसी दिखती थीं।

तो, दूसरी तरफ दो और सींग हैं। तो, वे वेदी पर सींग हैं। हमें कभी नहीं बताया गया कि उनका क्या उद्देश्य था।

लेकिन शायद, सबसे अच्छा अनुमान यह है कि वे सिर्फ बलि को गिरने से बचाने के लिए वहाँ रखे गए हैं। और, क्योंकि वे विशेष रूप से खून से छिड़के गए थे, इसलिए ऐसा लगता है कि इस विचार को जन्म दिया गया है कि यदि आपने अनजाने में कोई पाप किया है, तो आप वेदी, वेदी के सींगों से चिपक सकते हैं और मुक्ति पा सकते हैं। फिर से, वहाँ वास्तव में क्या हो रहा है, इसके बारे में काफी अनुमान है।

लेकिन ये वेदी के सींग हैं। ठीक है, यह पृष्ठभूमि है। क्या आपके पास कोई सवाल या टिप्पणी है? हाँ? खैर, आप जानते हैं, मैंने एक बार सींगों पर अध्ययन किया था।

और मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि सींग एक तरह से शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। तो, चार सींग ईश्वर की शक्ति हैं, और इस पर लगा खून एक तरह से यीशु की ओर जाता है। और इसलिए, जब आप इसे थामे रखते हैं, तो यह एक तरह से ऐसा होता है, आप जानते हैं... ठीक है, इसे थामे रहो।

हम थोड़ी देर में वहाँ पहुँच जाएँगे। अच्छा। ठीक है, और कुछ? हाँ? आप में से जो लोग देख रहे हैं उनके लिए सवाल यह है कि उत्पत्ति में चार नदियों में से एक जो अदन के बगीचे से निकलती है, वह गीहोन है।

क्या यह किसी तरह से इस से जुड़ा है? और जवाब है, मुझे नहीं पता। मुझे फिडलर ऑन द रूफ में टेवी पसंद है। क्या आप जानना चाहते हैं कि हम ऐसा क्यों करते हैं? मैं आपको बताता हूँ।

मुझे नहीं पता। लेकिन यह सोचना निश्चित रूप से संकेतात्मक है कि किसी तरह यहाँ कोई संबंध है। लेकिन क्या? कोई नहीं जानता।

ठीक है। तो, बाथशेबा अंदर आई और बोली, डेविड, क्या आपने अदोनियाह को यह करने के लिए कहा है और हम सभी को नहीं बताया है? और फिर नाथन उसके पीछे आता है। जाहिर है, डेविड ने नाथन से बात करते समय बाथशेबा को बाहर भेज दिया था।

और अब आयत 28 में वह कहता है, बतशेबा को बुलाओ। तो, उसे वापस बुलाया गया। तो, वह राजा की उपस्थिति में आई और उसके सामने खड़ी हो गई।

राजा ने फिर शपथ ली कि यहोवा जीवित है। और फिर, यह पूरी शपथ का हिस्सा है।

मेरे जीवन की शपथ, यहोवा के जीवन की शपथ, यहोवा आदि जिसने मुझे हर संकट से छुड़ाया है। मैं आज ही वह बात अवश्य पूरी करूँगा जो मैंने इस्राएल के राजा यहोवा की शपथ खाकर तुझ से कही थी।

सुलैमान, तुम्हारा बेटा मेरे बाद राजा होगा, और वह मेरे स्थान पर मेरे सिंहासन पर बैठेगा। मुझे लगता है, बिना किसी संदेह के, डेविड अपने धुंधले दिमाग में याद कर रहा है। हाँ, हाँ, मुझे पाँच, छह, दस साल पहले के वे दिन याद हैं, जब हमने एक बड़ा उत्सव मनाया था, और मैंने घोषणा की थी कि सुलैमान मेरा उत्तराधिकारी होगा और मंदिर के लिए मैंने जो सारी सामग्री इकट्ठी की थी, उसके बारे में बताया था।

हाँ, मुझे कुछ-कुछ याद है। लेकिन मुख्य बात यह है कि उसे याद है कि उसने एक वादा किया था। उसने एक व्रत लिया था।

और अब वह इसे दोगुना कर देता है। वह एक के बाद एक शपथ लेता है। हाँ, यही होने वाला है।

अब, फिर से, मुझे लगता है कि मैंने पिछले सप्ताह इसका उल्लेख किया था, लेकिन मुझे इसे फिर से कहना चाहिए। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि अदोनियाह को यह याद है। अन्यथा, वह राज्य के कुछ प्रमुख सत्ता के दलालों के साथ शहर के आधे मील दक्षिण में इस चीज़ को अंजाम देने की कोशिश नहीं कर रहा होता।

वह जानता है कि सुलैमान से वादा तो किया गया है, लेकिन बहुत समय बीत चुका है। बूढ़े आदमी का दिमाग बहुत धुंधला है और शायद हम इसे पूरा कर सकें। लेकिन नहीं, बाथशेबा और नाथन की वजह से ऐसा नहीं होने वाला है।

अब, प्रतिज्ञाओं के बारे में क्या? यहाँ कुछ अंश दिए गए हैं जिन्हें मैं आपसे देखने के लिए कहता हूँ। परमेश्वर को धन्यवाद का बलिदान चढ़ाएँ और परमप्रधान के लिए अपनी प्रतिज्ञाएँ पूरी करें। संकट के दिन मुझे पुकारो, और मैं तुम्हें छुड़ाऊँगा, और तुम मेरी महिमा करोगे।

हे परमेश्वर, मुझे तेरे प्रति अपनी मन्नतें पूरी करनी होंगी। मैं तेरे प्रति धन्यवाद-बलि चढ़ाऊँगा, क्योंकि तूने मेरी आत्मा को मृत्यु से बचाया है, हाँ, मेरे पैरों को गिरने से बचाया है, ताकि मैं जीवन की ज्योति में परमेश्वर के सामने चल सकूँ। हे परमेश्वर, सिंघोन में तेरी स्तुति होनी चाहिए, और तेरी मन्नतें पूरी की जाएँगी।

अब, अपनी प्रतिज्ञाओं को निभाना क्यों ज़रूरी है? मेरा मतलब है, हाँ, हम वादे करते हैं, हम कहते हैं कि हम कुछ करने जा रहे हैं, लेकिन परिस्थितियाँ बदल जाती हैं। इस बात पर ज़ोर क्यों दिया जाता है कि मैं अपनी प्रतिज्ञाएँ पूरी करूँगा, मुझे अपनी प्रतिज्ञाएँ पूरी करनी चाहिए? आप क्या सोचते हैं? वहाँ क्या चल रहा है? अगर ईश्वर स्वयं-अस्तित्व में है, अगर वह एकमात्र अधिकारी है, तो यह मुझे ज़िम्मेदार बनाता है, हाँ? वाचा का विचार। हाँ, यहाँ हम फिर से ईश्वर के चरित्र के साथ हैं।

परमेश्वर वाचा का पालन करने वाला परमेश्वर है। उसके बारे में उल्लेखनीय बात यह है कि, हमारे विपरीत, वह अपने वादों को पूरा करता है। देवताओं पर आप बिल्कुल भी भरोसा नहीं कर सकते, क्योंकि देवता केवल मनुष्य हैं जिनका नाम बड़े अक्षरों में लिखा गया है।

तो, खराब व्याकरण के लिए क्षमा करें, वे हमसे अच्छे हैं, लेकिन वे हमसे बुरे भी हैं। कभी-कभी, वे हमसे ज़्यादा वादे पूरे करते हैं, लेकिन कई बार, वे हमसे कम वादे पूरे करते हैं। और इस ईश्वर के बारे में उल्लेखनीय बात यह है कि, नहीं, वह कोई बड़ा इंसान नहीं है।

वह अपने वादे पूरे करता है। वह सच्चा है। गिनती 30 में एक आयत है जहाँ मूसा ने इसे लिखा है।

इसमें कहा गया है कि मूसा ने उनसे कहा; यह वही है जो प्रभु ने आदेश दिया है; यदि कोई व्यक्ति प्रभु से कोई व्रत लेता है या किसी समझौते से खुद को बांधने की शपथ लेता है, तो उसे अपना वचन नहीं तोड़ना चाहिए। उसे अपने मुंह से जो कुछ निकलता है, उसके अनुसार सब कुछ करना चाहिए। ठीक है, यह ईश्वर की ओर से एक आदेश है।

आपको इसे अवश्य रखना चाहिए। क्यों? उसका आशीर्वाद पाने के लिए, हाँ? क्योंकि हम उसके प्रतिनिधि हैं। यही कारण है कि व्यभिचार वर्जित है।

तुम खुद को यहोवा का अनुयायी कहते हो, और फिर भी तुम अपना वचन नहीं निभाते? तुम खुद को यहोवा का अनुयायी कहते हो, और तुम वादे करते हो जो तुम नहीं निभाते? ओह, ओह, ठीक है, हमारा परमेश्वर भी ऐसा ही है। हमारा परमेश्वर भी इसी तरह की चीजें करता है। लेकिन नहीं, नहीं, यह परमेश्वर अपने वादे निभाता है, और इसलिए उसके लोगों को अपने वादे निभाने चाहिए।

फिर से, आप में से कुछ लोगों ने मुझे कई बार बात करते हुए सुना है, इसलिए आप वह सब जानते हैं जो मैं जानता हूँ। लेकिन मैं उस आदमी को कभी नहीं भूला हूँ जिसने मुझे एक युवा पिता के रूप में बताया था कि अगर आप ऐसा नहीं करने जा रहे हैं, तो यह मत कहिए कि आप ऐसा करने जा रहे हैं। यदि आप बच्चे से कहते हैं, यदि आप ऐसा एक बार और करते हैं, तो यह होने

वाला है, और जब बच्चा ऐसा एक बार और करता है तो आप ऐसा करने के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो आपने उस बच्चे को यह सिखाया है कि कारण और प्रभाव का कोई नियम नहीं है।

मैं इसके लिए बहुत आभारी हूँ। अगर आप ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हैं, तो दया के लिए ऐसा मत कहिए। बार-बार, मैं युवा माता-पिता को देखता हूँ जो कहते हैं, अब, बेटा, अगर तुमने फिर से ऐसा किया, तो मैं तुम्हारे हाथ पर थप्पड़ मारूँगा।

ओह, अब, प्रिय, तुमने फिर से ऐसा कर दिया। अब, ऐसा मत करो। कृपया, दोस्त, ऐसा मत करो।

खैर, मुझे रुकना चाहिए। इसलिए, ईश्वर के प्रतिनिधियों के रूप में, हमें उनकी वफ़ादारी का प्रदर्शन करने के लिए कहा जाता है, यह प्रदर्शित करने के लिए कि दुनिया में सत्य है। इसे पोस्ट-ट्रुथ पीढ़ी कहा जाता है।

मुझे यह बात बहुत पसंद है कि बाइबल वास्तव में सत्य के बारे में वस्तुनिष्ठ वास्तविकता के रूप में बात नहीं करती है। यह सत्य होने के बारे में बात करती है। और आप देखिए, अगर वह ब्रह्मांड का एकमात्र निर्माता है, और वह पूरी तरह से सत्य है, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि उसके ब्रह्मांड में, ऐसी चीजें हैं जो सत्य हैं।

आज हम सत्य की अवधारणा क्यों खो रहे हैं? क्योंकि हम उस पुस्तक को खो रहे हैं। ठीक है, आगे बढ़ो। बतशेबा ने अपना चेहरा ज़मीन पर झुकाया, राजा के सामने खुद को झुकाया, और कहा, मेरे प्रभु, राजा दाऊद हमेशा के लिए जीवित रहें।

राजा दाऊद ने कहा, सादोक याजक, नातान नबी और यहोयादा के बेटे बनायाह को बुलाओ। याद रखो, योआब सेनापति, अदोनियाह के साथ एन-रोगेल में है। बनायाह दूसरे नंबर का सेनापति है।

तो यहाँ हमारे पास एक पुजारी, एक भविष्यवक्ता और एक शक्तिशाली व्यक्ति, नागरिक शक्ति है। हम यीशु को क्या कहते हैं? राजा? भविष्यवक्ता? पुजारी? अधिकार का पूरा केंद्र, बलिदान में धार्मिक अधिकार, परमेश्वर के वचन में भविष्यवाणी का अधिकार और राज्य की शक्ति में नागरिक अधिकार। सारी शक्ति यीशु में निहित है, उसके सभी पूर्ववर्ती प्रतिनिधियों से कहीं अधिक, और यह भावना वहाँ है।

जब वे राजा के पास आए, तब राजा ने उनसे कहा, "अपने स्वामी के सेवकों को साथ ले जाओ और मेरे पुत्र सुलैमान को मेरे खच्चर पर चढ़ाकर गीहोन तक ले जाओ। देखो, अदोनियाह एक सोते पर राजा बनने जा रहा है।"

सुलैमान बड़े झरने पर राजा का ताज पहनाया जा रहा है। राजा और पानी का क्या संबंध है? जीवन का स्रोत। जीवन का स्रोत।

यहाँ एक ऐसा व्यक्ति है जो अपनी निजी ताकत से व्यवस्था बनाए रखता है और व्यवस्था ही जीवन की कुंजी है। इसीलिए हम अव्यवस्था से इतना डरते हैं। और यह हम बहते पानी में देख सकते हैं।

इसलिए, एक व्यक्ति के रूप में, हम व्यवस्था के बिना नहीं रह सकते, और परमेश्वर ने इसे प्रदान किया है। यही कारण है कि पॉल यह कहने में बहुत सावधान है, एक ईसाई के रूप में, अराजकता को प्रायोजित न करें क्योंकि मैंने, परमेश्वर ने, व्यवस्था बनाई है। पर्व के अंतिम दिन, महान दिन, यीशु खड़े हुए और पुकार कर कहा, यदि कोई प्यासा हो, तो वह मेरे पास पानी पीने के लिए आए।

जो मुझ पर विश्वास करता है, जैसा कि शास्त्र में कहा गया है, उसके हृदय से जीवन के जल की नदियाँ बहेंगी। अब, उसने आत्मा के बारे में कहा, जिसे उन लोगों को प्राप्त करना था जो उस पर विश्वास करते थे, क्योंकि अभी तक आत्मा नहीं दी गई थी क्योंकि यीशु को अभी तक महिमा नहीं मिली थी। क्या आपको एक और समय याद है जब यीशु ने अपने से पानी निकलने के बारे में बात की थी? सामरी महिला।

अगर आप जानते कि आप किससे बात कर रहे हैं, तो आप उससे पूछेंगे और वह आपको जीवन का जल देगा। तो फिर, हम बाइबल में बार-बार यही देखते हैं कि आने वाली चीज़ों की यही तस्वीरें हैं। क्या सुलैमान जीवन का स्रोत है? नहीं।

लेकिन उस महान झरने पर ताज पहनाए जाने के इस कृत्य में, वह उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जो वास्तव में जीवन का स्रोत है। फिर से, यदि आप बेहतर नहीं जानते, तो आपको लगेगा कि पुस्तक प्रेरित है। लेकिन टुकड़े एक साथ बहुत, बहुत अच्छी तरह से फिट होते हैं।

और फिर आप जो देखते हैं, वह सिर्फ राजा और यीशु ही नहीं है, आप यह भी देखते हैं कि पर्व किस तरह से काम करते हैं। यह झोपड़ियों का पर्व है। तीन पर्व थे जब हर पुरुष से मंदिर में आने की अपेक्षा की जाती थी।

अप्रैल में फसल होता है। पहली फसल के बारे में, जो पित्तुकुस्त है, जून के पहले दिन, और तम्बू के बारे में। फसल फसल की कटाई की शुरुआत में होता है।

टैबर्नैकल्स अंत में है। टैबर्नैकल्स 15 सितंबर के आसपास था। नहीं, यह वास्तव में 30 सितंबर के आसपास है।

फिर से, हिब्रू की यात्राओं के लिए कैलेंडर चंद्र है। और हर तीन साल में, आपको एक महीना जोड़ना होगा। तो, कुछ साल 13 महीने के होते हैं ताकि चीजों को फिर से क्रम में वापस लाया जा सके।

इसलिए, आप कभी भी यह नहीं बता सकते कि यह कब होने वाला है। लेकिन यह तब होता है जब वे बाहर निकलते हैं और झोपड़ियों में रहते हैं। झोपड़ियों के पर्व की तुलना में तम्बूओं का पर्व बहुत बेहतर लगता है।

लेकिन यह वही है। उन्हें याद दिलाना कि कैसे भगवान ने रेगिस्तान में उनकी देखभाल की। 40 साल तक हम झुगियों में रहे।

और भगवान ने हमारी परवाह की। हमेशा याद रखो, याद रखो। अब, जो याद है उसके प्रकाश में जियो।

और यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है। नए नियम के अंतिम समय में झोपड़ियों के पर्व के कुछ वर्णों से ऐसा लगता है कि वे हर दिन सात दिनों तक सिलोम के कुंड में गए और पानी निकाला, उसे वापस ऊपर लाया और मंदिर में डाला। लेकिन यह निश्चित रूप से लगता है कि अंतिम दिन, महान दिन पर, उन्होंने यही किया।

तो, आप उन्हें देख सकते हैं। वे यहाँ आते हैं, गाते हैं, नाचते हैं, पानी की बाल्टियाँ लेकर चलते हैं। और नाज़रेथ का यह पागल आदमी।

अगर किसी को प्यास लगी है, तो वह मेरे पास आकर पिए। पागल है। वह पागल है।

यह सब किस ओर इशारा कर रहा है? ये सभी त्यौहार किस ओर इशारा कर रहे हैं? वे यीशु की ओर इशारा कर रहे हैं। मैं ही वह व्यक्ति हूँ जिसके बारे में यह सब है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्होंने उसे मारने की कोशिश की।

वह आदमी पागल है। और, वह रोमनों को हमारे गले पर चढ़ाने जा रहा है। वह अव्यवस्था पैदा करने जा रहा है।

वे कितना कम समझते थे। मैं अक्सर खुश होता हूँ कि मैं तब जीवित नहीं था। मुझे डर है कि मैं गलत पक्ष पर हो सकता था।

क्योंकि यह क्रांतिकारी बात है जो वह कह रहा है। क्या? मैं तुम्हें पानी दूंगा? तुम कौन हो? भगवान? ठीक है। हाँ।

हाँ। ठीक है। अब ध्यान दें कि दाऊद ने आयत 35 में क्या कहा है।

तुम्हें उसके साथ ऊपर जाना है, और वह आकर मेरे सिंहासन पर बैठेगा और मेरे स्थान पर राज्य करेगा। मैंने उसे इस्राएल और यहूदा का शासक नियुक्त किया है। अब, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

वास्तव में, यहूदा और अन्य जनजातियाँ कभी भी एकीकृत नहीं थीं। यहोशू में वापस, आप यहूदा और सभी इस्राएल वाक्यांश देख सकते हैं। एक मिनट रुकिए।

यहूदा पूरे इस्राएल का हिस्सा है, है न? या फिर यह भौगोलिक हिस्सा है। यह देखना दिलचस्प है कि विश्व इतिहास का कितना बड़ा हिस्सा भूगोल का खेल है। लेकिन, ठीक यहीं पर एक अंतर है।

आपको यह रिज मिलेगी जो दक्षिण में बेशेबा से माउंट कार्मेल तक जाती है। आपको वहां जेज़्रेल घाटी मिलेगी जो इसे तोड़ती है, और फिर यह आगे बढ़ती है। आपको लोअर गैलिली और अपर गैलिली के बीच एक और विभाजन मिलता है।

लेकिन बीरशेबा और यरुशलम के बीच, आपको मूल रूप से एक अटूट रिजलाइन मिलती है। इसलिए, राजमार्ग उन दो बिंदुओं के बीच से होकर जाता है। लेकिन यहाँ से आगे, रिजलाइन टूट जाती है।

यरूशलेम से छह मील उत्तर में। असल में, यहाँ यहूदा है, जो इस भूगोल से एकजुट है। और फिर यहाँ बाकी जनजातियाँ हैं।

तो, यहाँ यहूदा है और यहाँ पूरा इस्राएल है। अब अगर आपने ऊपर देखा, और मुझे एहसास हुआ कि आपके पास इस सप्ताह के लिए हैंडआउट नहीं था, लेकिन आइए देखें, यह पहला 2 शमूएल 2, 4, और 8 और 9 है। इसके बाद, दाऊद ने यहोवा से पूछा, क्या मैं यहूदा के किसी शहर में जाऊँ? अब वह यहाँ नीचे है। वह पलिशती देश में नीचे है।

लेकिन शाऊल मर चुका है। और दाऊद ने परमेश्वर से पूछा, क्या मैं यहूदा के किसी शहर में जाऊँ? और परमेश्वर ने कहा, हाँ, हेब्रोन में जाऊँ। क्या कोई जानता है कि हेब्रोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है? अब्राहम को वहाँ दफनाया गया है।

राहेल को वहीं दफनाया गया है। वह मेरा गृह देश है। क्या मैं जाऊँ? हाँ, हेब्रोन तक जाऊँ।

तब दाऊद अपनी दोनों पत्नियों समेत वहाँ गया। वह अपने संगी जनों को अर्थात् अपने घराने के सब लोगों को वहाँ ले आया। और वे हेब्रोन के नगरों में रहने लगे।

अब, यहाँ श्लोक 4 है। और यहूदा के लोग आए, और वहाँ उन्होंने दाऊद को यहूदा के घराने का राजा अभिषिक्त किया। बाकी लोगों के बारे में क्या? लेकिन शाऊल की सेना के सेनापति नायर के पुत्र अब्नेर ने शाऊल के पुत्र ईशबोशेत को पकड़ लिया, और उसे महनैम ले आया। और उसे गिलाद का राजा बनाया।

यह वह क्षेत्र है। और यहाँ से आगे आशेरी लोग हैं। और यिज़्रेल।

और एप्रैम। और बिन्यामीन। और बिन्यामीन वहीं है।

और सारा इस्राएल। तो यह रहा। दाऊद यहूदा का राजा है।

ईशबोशेत बाकी सभी का राजा है। तो यहाँ पहले से ही हमारे सामने परेशानी है। दाऊद, अपने निजी चुंबकत्व से, उन सभी को एकजुट करने में सक्षम था।

लेकिन ध्यान दें कि जब वह कहता है कि सुलैमान किसका राजा होगा, यहूदा का राजा और पूरे इस्राएल का राजा। खैर, यह भी... मुसीबत से निकला। अबशालोम को कहाँ ताज पहनाया गया था? यह कोई परीक्षा नहीं है।

हेब्रोन! हेब्रोन! यहूदा ने अबशालोम को राजा बनाया। और दाऊद यरूशलेम से इस दिशा में भाग गया। और अबशालोम यहीं मारा गया।

और इस्राएली दाऊद को वापस यरूशलेम की ओर ले जाते हैं। और अचानक, यहूदी कहते हैं, एक मिनट रुको! यहाँ क्या हो रहा है? राजा गिलगाल पार कर गया है। वह यहाँ पार कर रहा है।

यरदन नदी पार करते हुए इस्राएल की आधी सेना यहूदा की सारी सेना के साथ चली और इस्राएल की आधी सेना राजा के साथ चली।

लेकिन इस्राएल के लोगों ने राजा से शिकायत की। यहूदा के लोगों ने राजा को चुरा लिया। इस्राएली लोग सबसे पहले वापस जाने लगे।

और फिर यहूदी लोग भी इस बात पर सहमत हो गए। यहूदा के लोगों ने राजा को चुरा लिया और हमें आपको, आपके परिवार और आपके सभी लोगों को जॉर्डन पार ले जाने में मदद करने का सम्मान नहीं दिया। यहूदा के लोगों ने जवाब दिया कि राजा हमारे अपने रिश्तेदारों में से एक था।

इससे तुम क्यों नाराज़ हो? हमने राजा का कोई भी खाना नहीं खाया है और न ही हमें कोई खास स्वाद मिला है। लेकिन इस्राएल में दस गोत्र हैं, दूसरे ने जवाब दिया। इसलिए राजा पर हमारा अधिकार तुमसे दस गुना ज़्यादा है।

आदि। आप यहूदा और पूरे इस्राएल के राजा हैं। ठीक है, सुलैमान।

अपनी निजी चुम्बकत्व शक्ति से, इन विरोधी समूहों के प्रति अपने सावधान व्यवहार से, मैंने इसे एक राज्य में जोड़ दिया है। अब तुम क्या करने जा रहे हो? 36. यहोयादा के पुत्र बनायाह ने राजा को उत्तर दिया, “आमेन।”

मेरे प्रभु राजा के परमेश्वर यहोवा ने ऐसा ही कहा है। जैसे यहोवा मेरे प्रभु राजा के साथ था, वैसे ही वह सुलैमान के साथ भी रहे, ताकि उसका सिंहासन मेरे प्रभु राजा दाऊद के सिंहासन से भी बड़ा हो। शाऊल ने इस पर क्या प्रतिक्रिया दी होगी? उसका सिंहासन मेरे सिंहासन से भी बड़ा हो? आप किस बारे में बात कर रहे हैं? अब सवाल यह है कि दाऊद ने उस तरह से प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी? 2 शमूएल 22, 28-34.

वैसे, भजन 18 में भी यही बात दोहराई गई है। दोनों एक जैसे हैं। तू नम्र लोगों को बचाता है, परन्तु तेरी आँखें अभिमानियों पर दृष्टि करके उन्हें अपमानित करती हैं।

यह दाऊद है। हे प्रभु, तू मेरा दीपक है। प्रभु मेरे अंधकार को दूर करता है।

तेरी शक्ति से मैं एक सेना को कुचल सकता हूँ। अपने परमेश्वर के साथ मैं किसी भी दीवार को लांघ सकता हूँ। परमेश्वर का मार्ग परिपूर्ण है।

प्रभु के सभी वादे सच साबित होते हैं। वह उन सभी के लिए ढाल है जो सुरक्षा के लिए उसकी ओर देखते हैं। क्योंकि प्रभु के अलावा और कौन ईश्वर है? हमारे ईश्वर के अलावा और कौन ठोस चट्टान है?

अब, इस अगले पद को देखें। परमेश्वर मेरा दृढ़ किला है, और वह मेरे मार्ग को सिद्ध बनाता है। परमेश्वर का मार्ग सिद्ध है, पद 31।

और वह मेरे मार्ग को सिद्ध बनाता है, श्लोक 33. अब, एनआईवी इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। उनका दम घुट गया।

क्या किसी के पास NIV है? श्लोक 33 में क्या लिखा है? यह परमेश्वर है जो मुझे शक्ति से लैस करता है और मेरे मार्ग को सुरक्षित रखता है। यह मेरे मार्ग को सुरक्षित रखता है। मुझे आराम करने दो।

यह वही शब्द है। परमेश्वर का मार्ग परिपूर्ण है, और वह मेरा मार्ग भी परिपूर्ण बनाता है। वाह।

वाह। अब, इसका मतलब दोषरहित नहीं है। इसका मतलब है संपूर्ण, सम्पूर्ण, समग्र।

ईश्वर दो-चेहरे वाला नहीं है। ईश्वर दो-तरफा नहीं है। ईश्वर सब कुछ है, और वह इसे संभव बनाता है, डेविड कहते हैं, मेरे लिए सब कुछ होना।

तो, मैं आपसे पूछना चाहता हूँ, इन आयतों को देखते हुए, दाऊद इस तरह की बात कैसे सुन सकता है? आपके बेटे को आपकी तुलना में बहुत बड़ा सिंहासन मिलेगा। और उसे जलाया नहीं जाएगा। क्यों नहीं? इन आयतों के प्रकाश में।

पद 28 में वह कहां से शुरू करता है? नम्रता। नम्रता। मैं जानता हूँ कि राजा कौन है।

मुझे ब्रह्मांड का राजा बनने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि मैं जानता हूँ कि वह कौन है। हाँ। श्लोक 29।

दाऊद के लिए परमेश्वर क्या है? मेरा दीपक, मेरी ज्योति। हाँ, हाँ। तू ही है जो मुझे चलना सिखाता है, कैसे जाना है।

मैं प्रकाश उत्पन्न नहीं करता। आप करते हैं।

आपकी, किसमें, श्लोक 30? शक्ति। आप मेरी शक्ति हैं - श्लोक 31।

परमेश्वर दो-चेहरे वाला नहीं है। परमेश्वर कपटी नहीं है। उसके वादों के बारे में क्या? वे सच साबित होते हैं।

आप यहाँ जो देख रहे हैं वह यह है कि दाऊद जानता है कि परमेश्वर कौन है। और चूँकि वह जानता है कि परमेश्वर कौन है, इसलिए उसे कुछ भी साबित करने की ज़रूरत नहीं है। उसे कुछ भी हथियाने की ज़रूरत नहीं है।

उसे पकड़ने की ज़रूरत नहीं है। हे भगवान, मुझे उस तरह का नज़रिया दो। हमें उस तरह का नज़रिया दो।

जहाँ हम उदारता से जी सकें। जहाँ हम दूसरों की जीत पर खुश हो सकें। मैं आमतौर पर लॉर्ड बायरन को धर्मशास्त्री के रूप में नहीं देखता, लेकिन उन्होंने कुछ ऐसा कहा जो बहुत, बहुत सच है।

उन्होंने कहा, जो हार गए हैं उनके साथ शोक मनाना एक बात है। जो जीत गए हैं उनके साथ खुशियाँ मनाना एक और बात है। हाँ।

हाँ। तो, श्लोक 38, सादोक याजक, नातान नबी, यहोयादा का बेटा बनायाह, करेहियों और पलेतियों ने नीचे जाकर सुलैमान को राजा दाऊद के खच्चर पर चढ़ाया, और वे उसे गीहोन ले गए। याजक सादोक ने पवित्र तम्बू से तेल का सींग लिया और सुलैमान का अभिषेक किया।

फिर उन्होंने तुरही बजाई और सभी लोगों ने चिल्लाकर कहा, राजा सुलैमान अमर रहे। खैर, आप कल्पना कर सकते हैं कि सड़क से आधे मील दूर अदोनियाह पार्टी पर इसका क्या प्रभाव पड़ा होगा। और फिर, आपको यहाँ लेखक के कौशल का आनंद लेना होगा।

वहाँ इतना शोर क्यों हो रहा है? ओह, जोनाथन आ रहा है। खैर, जोनाथन के पास अच्छी खबर होगी। नहीं, मेरे पास कोई अच्छी खबर नहीं है।

उन्होंने सुलैमान को राजा बनाया है। और 48 दाऊद की प्रतिक्रिया है। उसका सिंहासन तुम्हारे सिंहासन से बड़ा हो।

इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की स्तुति हो, जिसने आज मेरी आँखों को मेरे सिंहासन पर एक उत्तराधिकारी को देखने की अनुमति दी है। ईर्ष्या का एक कण भी नहीं। क्षतिग्रस्त अभिमान का एक कण भी नहीं।

ओह, क्या भगवान अच्छे नहीं हैं? क्या भगवान अच्छे नहीं हैं? उन्होंने मुझे एक उत्तराधिकारी दिया है। हाँ। डेविड और शाऊल के बीच मृत्यु में अंतर वाकई आश्चर्यजनक है।

शाऊल किसी ऐसे व्यक्ति को मृतकों में से निकालने की कोशिश कर रहा है जो उसे कुछ मार्गदर्शन दे सके। बेचैन। भगवान का शुक्र है कि उसने मुझे एक उत्तराधिकारी दिया है, और वह अच्छा है।

मैं उसी तरह मरना चाहता हूँ। अदोनिय्याह के सभी मेहमान, यह श्लोक 49 है। अदोनिय्याह के सभी मेहमान घबराकर उठ खड़े हुए और तितर-बितर हो गए, लेकिन अदोनिय्याह, सुलैमान के डर से, गया और वेदी के सींगों को पकड़ लिया।

सुलैमान को बताया गया कि अदोनिय्याह राजा सुलैमान से डर गया है और वेदी के सींगों से चिपक गया है। वह कहता है, राजा सुलैमान आज मुझसे शपथ ले कि वह अपने सेवक को तलवार से नहीं मारेगा। मैं चाहता हूँ कि तुम शपथ लो कि मैं जो भी करूँगा, मुझे उसका कोई मूल्य नहीं चुकाना पड़ेगा।

सुलैमान उससे ज़्यादा होशियार है। अगर वह खुद को योग्य साबित करता है, तो उसके सिर का एक भी बाल ज़मीन पर नहीं गिरेगा। लेकिन अगर उसमें बुराई पाई जाती है, तो वह मर जाएगा।

फिर से, जैसा कि मैंने पिछले सप्ताह कहा था, नियम यह है कि जब कोई व्यक्ति सिंहासन पर बैठता है, खासकर अगर सिंहासन पर उसके पद का कोई सवाल हो, तो सबसे पहले वह दूसरे पक्ष को मिटा देता है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि सुलैमान ने ऐसा नहीं किया। उसने लोगों को भेजा; वे उसे वेदी से नीचे ले आए; अदोनिय्याह आया और राजा सुलैमान के सामने झुक गया; सुलैमान ने कहा, अपने घर जाओ।

अदोनिय्याह को मरना नहीं था। वह मरने वाला था, लेकिन उसे मरना नहीं था। इसलिए, मुझे फिर से लगता है कि हम यहाँ सुलैमान को बहुत अच्छी रोशनी में देखते हैं।

उसने ऐसा नहीं किया, और उसने इस घटना को घटित नहीं होने दिया। और यही कारण है कि, किसी न किसी तरह, अध्ययन में अंतिम प्रश्न वहाँ तक नहीं पहुँच पाया। लेकिन यह हमें परमेश्वर द्वारा अपने उद्देश्यों को पूरा करने के बारे में क्या बताता है? यह पूरी कहानी, आप सुलैमान हैं।

तुम्हारे पिता ने तुम्हें राज्य देने का वादा किया था। अब तुम्हारा सबसे बड़ा भाई बागडोर अपने हाथ में ले रहा है। उसे लगता है कि इसमें संभावना है।

बूढ़े आदमी ने जो कहा था, वह भूल गया है। लोग भूल गए हैं। और जो लोग याद रखते हैं, वे सत्ता का खेल खेलने की कोशिश कर रहे हैं।

मुझे सबसे ऊँचे स्थान पर रखने की सबसे अधिक संभावना किसमें है? तुम क्या करते हो, सुलैमान? तुम परमेश्वर के कदम उठाने का इंतज़ार करते हो। पुराने नियम में, इंतज़ार और भरोसा समानार्थी शब्द हैं। प्रभु का इंतज़ार करो।

मुझे लगता है कि हम सभी को यशायाह 40, 31 याद है। जो लोग प्रभु पर भरोसा करते हैं, वे अपनी ताकत को नवीनीकृत करेंगे। यार, मुझे यहाँ कुछ करना है।

मैं अदोनिय्याह को रोकने के लिए क्या करने जा रहा हूँ? मैं यहाँ क्या करने जा रहा हूँ? यार, उसके साथ योआब है, और उसके साथ अबिनियाह भी है। वाह, हम यहाँ क्या करने जा रहे हैं? नहीं। इसका कोई निशान नहीं है।

और जब आप सिंहासन पर आते हैं, तो यहाँ बड़ा भाई है, वह व्यक्ति जो एक दृष्टिकोण से सिंहासन का अधिकार रखता है। उसने इसे अपने लिए लेने की कोशिश करके खुद को गलत स्थिति में डाल दिया है। बस उसे मार डालो।

उसे रास्ते से हटाओ। नहीं। जैसा कि मैंने कहा, शायद दो हफ्ते पहले, सोलोमन की कहानी बहुत पेचीदा है।

लेकिन यहाँ, मुझे लगता है कि हम सुलैमान को सबसे अच्छे प्रकाश में देखते हैं। मुझे परमेश्वर के वादों को पूरा करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे लगता है कि परमेश्वर अपने वादों को पूरा करने के लिए काफी बड़ा है।

डेविड। क्या आपको लगता है कि सुलैमान ने शाऊल से निपटने में अपने पिता की कहानी से ही कुछ सीखा होगा? हाँ, मुझे लगता है कि बहुत संभव है। और आप इसे डेविड के साथ बार-बार देखते हैं।

मेरा मतलब है, शाऊल की कहानी में, जब शाऊल गुफा में शौच के लिए आता है और अपने पीछे अपना लबादा फैलाकर बैठा होता है, तो उसे दाऊद के हाथों में सौंप दिया जाता है, और उसके आदमी कहते हैं, दाऊद, दाऊद, यही है। भगवान ने उसे तुम्हारे हाथों में सौंप दिया है। जाओ और उसे मार डालो।

उसे मार डालो। मैं प्रभु के अभिषिक्त को छूने वाला नहीं हूँ। मैं अभिषिक्त राजा को प्रभु द्वारा अभिषिक्त राजा को हटाने से पहले नहीं हटाऊँगा।

वाह। तो हाँ, मुझे लगता है कि बहुत संभव है कि उसने कहानी सुनी हो और कुछ सबक सीखे हों। इस तरह की पेचीदा स्थिति में परमेश्वर के अपने उद्देश्यों को पूरा करने के बारे में हम और क्या कह सकते हैं? क्या? मान लीजिए, मान लीजिए कि सुलैमान बिना किसी घटना के राजा बन गया होता।

उसे किसका सामना करना पड़ेगा? उसे अपने दरबार में पाँचवें स्तंभ का सामना करना पड़ेगा। उसे एक असंतुष्ट भाई का सामना करना पड़ेगा। उसे एक सेनापति और एक उच्च पुजारी का सामना करना पड़ेगा जो उसके राजा बनने से बिल्कुल भी खुश नहीं है।

जैसा कि हम अगले अध्याय में देखेंगे, यह सब निपटारा जाएगा। शायद इसलिए क्योंकि अदोनियाह ने जल्दबाजी में खुद को राजा बनाने की कोशिश की। दरबार में पाँचवाँ स्तंभ सड़ रहा होगा।

और अब ऐसा नहीं होने वाला है। अब, फिर से, इसका मतलब यह नहीं है कि भगवान ने ऐसा किया है। लेकिन इसका मतलब वही बात है जो उत्पत्ति की किताब के अंत में कही गई है।

तुम्हारा इरादा बुराई के लिए था, लेकिन भगवान का इरादा अच्छाई के लिए था। भगवान की शानदार रचनात्मकता यह है कि वह सबसे बुरी चीजों को भी अच्छे के लिए इस्तेमाल कर सकता है। खैर, अब हमारे पास आपके लिए बहुत कुछ है, है न? ज़रूर है।

हाँ, आप क्या हासिल करने जा रहे हैं? आप इसके ज़रिए क्या हासिल करने जा रहे हैं? हाँ, हाँ। लेकिन यह है, यह है - एक डेविड जो समभाव से आगे निकल जाने को स्वीकार कर सकता है।

एक सुलैमान जिसे अपने प्रतिद्वंद्वी को मारने के लिए पहला मौका नहीं गंवाना पड़ता। और इस सब में, परमेश्वर सुलैमान को सिंहासन पर ऐसे तरीके से स्थापित कर रहा है जो अन्यथा संभव नहीं था। वह काम पर है।

हाँ? क्या आपको लगता है कि अगर दाऊद अपने परिवार के साथ इतना निष्क्रिय नहीं होता, तो शायद ऐसा कुछ होता... बिल्कुल। हाँ, सवाल यह था कि अगर दाऊद अपने परिवार के साथ इतना निष्क्रिय नहीं होता, तो क्या ऐसा कुछ नहीं होता? हाँ, मुझे लगता है कि यह बिल्कुल वही बात है जब यह कहा जाता है कि दाऊद ने अदोनियाह से कभी नहीं कहा था, तुम ऐसा क्यों कर रहे हो? इसलिए, मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है। और मुझे लगता है, एक अर्थ में, यही कारण है कि तलवार दाऊद के घर से दूर नहीं गई।

क्योंकि दाऊद ने बतशेबा और उरीया के साथ पाप किया था, अब वह अपने परिवार को अनुशासित करने के लिए खुद को तैयार नहीं कर सकता। और हाँ, मुझे लगता है कि निस्संदेह, बाइबल कह रही है कि ऐसा इस तरह से नहीं होना चाहिए था। हाँ।

ठीक है, कोई और सवाल या टिप्पणी? मैं बस सोच रहा था, दाऊद को भी क्रम से नहीं चुना गया था। हाँ। और इस्राएलियों का इतिहास ऐसा है कि परमेश्वर ने मनुष्य के क्रम को नहीं चुना।

हाँ। मनुष्य बाहरी रूप को देखता है, और परमेश्वर हृदय को देखता है। हाँ।

मुझे लगता है कि शायद वे इसे ज़्यादा स्वीकार करने में सक्षम थे क्योंकि भगवान ने वास्तव में हस्तक्षेप किया था, और उन्होंने इसे देखा था, और वे अपने इतिहास को जानते थे। हाँ, हाँ, हाँ। कई टिप्पणीकार इन्हें, विशेष रूप से अध्याय एक और दो को, दरबारी साज़िश के उदाहरण के रूप में देखेंगे, जैसे कि बाथशेबा और नाथन ने कुछ किया।

मुझे नहीं लगता कि यह सच हो सकता है, न केवल इतिहास के प्रकाश में बल्कि इसलिए भी क्योंकि स्पष्ट रूप से अदोनियाह जानता है कि वह कुछ ऐसा कर रहा है जो उसे गुप्त रूप से करना है। खैर, क्यों? जब तक, वास्तव में, उसे याद नहीं था कि भगवान ने सुलैमान को चुना था। जैरी? तो, 2025 में हमारा अगला राष्ट्रपति कौन होगा? मुझे यह कहने दीजिए।

भगवान अपना काम करेंगे। और भगवान हमें, किसी ने कहा, ऐसी सरकार दे सकते हैं जिसके वे हकदार हैं। उफ़।

लेकिन भगवान का शुक्र है, भगवान का शुक्र है, हम जीवित परमेश्वर के सेवक हैं, और जो कुछ भी आएगा, वह अपने अच्छे उद्देश्यों के लिए पूरा करने जा रहा है। वह कहता है कि वह राज्यों को खड़ा करता है, और वह उन्हें नीचे गिरा देता है। हाँ, हाँ, हाँ।

हमने 200 सालों तक यह मान लिया था कि यह व्यवस्थित लोकतंत्र आदर्श है। खैर, वास्तव में, दुनिया के इतिहास में, यह अब तक हुई सबसे अजीब चीजों में से एक है। तो, हाँ।

लेकिन भगवान तो भगवान है। भगवान तो भगवान है। ठीक है।

अगले सप्ताह, अध्याय दो। हम पूरा अध्याय करेंगे।